https://shikshabodh.in/

SHIKSHA BODH
(The Journal of Education and Humanities)
A quarterly, peer-reviewed/refereed journal
ISSN: 3139-5880 IMPACT FACTOR: 6.50
VOLUME-1|ISSUE-3|July-September, 2026

पूर्व माध्यमिक स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के शिक्षक के शिक्षकीय मूल्य एवं शिक्षकीय अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

***डॉ. संदीप कुमार तिवारी**
असिस्टेंट प्रोफेसर
गोरख सिंह महविद्यालय बी.एड.कोर्स, महाराजगंज , सिवान
Email-dr.sandeepktiwari007@gmail.com
Mobile-9140480105

सारांश

प्रस्तुत शोध-पत्र **"पूर्व माध्यमिक स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्य एवं शिक्षकीय अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"** विषय पर आधारित है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षकीय अभिवृत्ति तथा विभिन्न शिक्षकीय मूल्यों की तुलना करना है। शोध की आवश्यकता इस आधार पर बताई गई है कि दोनों प्रकार के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण एवं कार्य-परिस्थितियों में अंतर हो सकता है, जिसका प्रभाव उनकी अभिवृत्ति और मूल्यों पर पड़ सकता है।अध्ययन उत्तर प्रदेश के संत रविदास नगर (भदोही) जिले के औराई ब्लॉक तक सीमित रखा गया। इसमें 10 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कुल **60 शिक्षकों** का चयन स्तरीकृत आकस्मिक चयन विधि से किया गया। शोध में अप्रयोगात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के संकलन के लिए **शिक्षक अभिवृत्ति मापनी (TAI)** तथा **शिक्षकीय मूल्य मापनी (TVI)** का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण में मध्यमान, मानक विचलन तथा *t*-परीक्षण का उपयोग किया गया।अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों की **शिक्षकीय अभिवृत्ति में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर** पाया गया। दूसरी ओर, सैद्धांतिक, आर्थिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक मूल्यों के संबंध में दोनों समूहों के बीच सामान्यतः महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।शोध में शिक्षकों की आर्थिक एवं व्यावसायिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा उनकी शिक्षकीय अभिवृत्ति एवं मूल्यों के विकास के लिए योजनाएँ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। भविष्य में व्यक्तित्व, समायोजन, शिक्षा के प्रति अभिरुचि तथा ग्रामीण-शहरी शिक्षकों के तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता भी सुझाई गई है।

मुख्य शब्द – अभिवृत्ति, शिक्षकीय मूल्य, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, सर्वेक्षण विधि, **(TAI) &(TVI)**

1-भूमिका:

जन्म के समय बालक असहाय और दिनावस्था में इस व्यापक विश्व के बीच कुछ मूल शक्तियां लेकर उत्पन्न होता है और शिक्षा अथवा सामाजिक विरासत उसको शिक्षित तथा सामाजिक बना देती है।

रविंद्र नाथ टैगोर के अनुसार "सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सूचना तथा ज्ञान ही प्रदान नहीं करती है बल्कि संपूर्ण सृष्टि से हमारे जीवन का सामंजस्य स्थापित करती है"।

अरस्तु के अनुसार "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है"।

2-अध्ययन की आवश्यकता:

शासकीय शिक्षक जो की एक कौशल अर्थात प्रशिक्षण प्राप्त करके सरकार के शिक्षक की मानक के अनुरूप माप कर उन्हें नियुक्त किया जाता है और दूसरी तरफ अशासकीय विद्यालयों में अस्थाई शिक्षक जो प्रशिक्षित भी हो सकते हैं और अप्रशिक्षित भी होते हैं। अतः शोधकर्ता को जिज्ञासा हुई कि इस अंतर के बाद उनके शिक्षकीय मूल्य एवं शिक्षकीय अभिवृत्ति में काफी अंतर हो सकता है इसका प्रभाव शिक्षा पर पड़ता है, अतः इस शोध की आवश्यकता महसूस हुयी।

3-अध्ययन के प्रकार्यात्मक परिभाषा:

शिक्षक- प्राचीन काल में शिक्षक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण था। शिक्षक शिक्षा का मुख्य केंद्र बिंदु था। शिक्षक के बिना शिक्षा की प्रक्रिया पूर्ण नहीं होती थी शिक्षक अपने आप को गुरु की छाया मात्र समझता था।

शासकीय विद्यालय- शासन द्वारा संचालित समस्त स्कूलों को शासकीय विद्यालय कहा जाता है, जिसमें शिक्षक प्रशिक्षण युक्त अध्यापक कार्य करते हैं।

अशासकीय विद्यालय- शासन से मान्यता प्राप्त स्कूलों को अशासकीय विद्यालय कहा जाता है, जिसका सारा खर्च निजी व्यक्ति के हाथों में होता है। वह अपने विवेक अनुसार प्रतिभाशाली अध्यापकों की नियुक्ति करता है।

शिक्षकीय अभिवृत्ति- प्रस्तुत शोध में शिक्षकीय अभिवृत्ति से तात्पर्य है, डॉ. एस.पी. अहलूवालिया द्वारा निर्मित मापनी के आधार पर प्राप्त अंकों से स्पष्ट होने वाली जानकारी से है।

शिक्षकीय मूल्य- प्रस्तुत शोध में शिक्षा के मूल्य से तात्पर्य डॉ. श्रीमती हरभजन एल. सिंह एवं डॉ. डी.एस.पी. अलवारिया द्वारा निर्मित डीबी मापनी के आधार पर प्राप्त अंकों से स्पष्ट होने वाली जानकारी से है।

4-अध्ययन के उद्देश्य:

1. पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षक में शिक्षकीय अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षक में शिक्षकीय मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन।

5-अध्ययन की परिकल्पनाएं:

परिकल्पना किसी भी शोध कार्य के लिए दिशा तथा आधार प्रदान करता है। प्रस्तुत अध्ययन की परिकल्पनाएं निम्नलिखित है-

Ho1- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho2- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सैद्धांतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho3- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho4- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सौंदर्यात्मक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho5- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho6- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के राजनीतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

Ho7- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

6-अध्ययन की परिसीमन:

1. प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश के संत रविदास नगर भदोही जिला के औराई ब्लॉक तक सीमित है।
2. यह शोध शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तक सीमित है।

7-संबंधित शोध साहित्य का अध्ययन:

किसी भी समस्या का चयन करने से पूर्व वैज्ञानिक अध्ययन में यह आवश्यक हो जाता है कि समस्या से संबंधित तथ्यों पर जो पूर्व में संबंधित शोध कार्य किए गए उन निष्कर्षों का प्रयोग अपने शोध के विषय समस्या के चयन एवं समाधान के लिए किया जाए।

टटल 1956 के अनुसार ने कॉलेज के शिक्षकों की शिक्षक आवृत्ति पर अध्ययन किया

गोस्वामी एन एस 1983 - गुजरात के स्कूलों में मूल्यों का अध्ययन।

समस्या कथन

"पूर्व माध्यमिक स्तर पर शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के शिक्षक की शिक्षकीय मूल्य एवं शिक्षकीय अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में अप्रयोगात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श के लिए स्तरीकृत आकस्मिक चयन विधि का प्रयोग किया गया। जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के संत रविदास नगर जिले के औराई ब्लॉक के 10 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 60 शिक्षकों का चयन किया गया।

8-अध्ययन के उपकरण:

अनुसंधान में उपकरण का वही महत्व है जो युद्ध में हथियारों का, परिवहन में वाहनों का, अध्ययन में पुस्तकों का, इस शोध कार्य में दो उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

1-शिक्षक अभिवृत्ति मापनी (TAI)

Dr. SP Ahaluwalia (1971)

Retiered Prof. Head and Dean faculty of Education Sagar MP

National Psychological Corporation, Agra

2-शिक्षकीय मूल्य मापनी (TVI)

Dr. Mrs. Harabhajan L. Singh and Dr. S.P. Ahaluwalia (1971)

National Psychological Corporation, Agra

9-प्रदत्तों का विश्लेषण:

इस शोध में मध्यमान, मध्यिका, प्रमाणिक विचलन, टी- परीक्षण का प्रयोग किया गया।

परिकल्पनाओं की जाँच

Ho1- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	236.66	53.40	10.71	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात सार्थक 0.01 स्तर	**Ho1 अस्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	2402.67	24.27				

कुल		60						

Df (N1+N2-2) 30+30-2=58

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के अभिवृत्ति का मध्यमान 236.66, 2402.67 तथा मानक विचलन क्रमशः 53.40, 24.27 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 10.71 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत अधिक है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है" को अस्वीकृत किया जाता है तथा संख्यिकीय परिकल्पना शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर होता है को स्वीकार किया जाता है।

Ho2- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सैद्धांतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	88.30	14.40	0.23	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात असार्थक	**Ho2 स्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	89.17	13.5				
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के सैद्धांतिक मूल्य का मध्यमान 88.30, 89.17 तथा मानक विचलन क्रमशः 14.40, 13.5 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 0.23 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.01=2.390 से बहुत कम है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय सैद्धांतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है" को स्वीकार किया जाता है।

Ho3- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	85.5	9.50	0.91	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात असार्थक	**Ho3 स्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	87.83	10.20				
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के आर्थिक मूल्य का मध्यमान 85.5, 87.83 तथा मानक विचलन क्रमशः 9.50, 10.20 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 0.91 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत कम है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है" को

स्वीकृत किया जाता है।

Ho4- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सौंदर्यात्मक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	82.83	17.70	.21	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात असार्थक	**Ho4 स्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	83.83	18.40				
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के अभिवृत्ति का मध्यमान 82.83, 83.83 तथा मानक विचलन क्रमशः 17.70, 18.40 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान .21 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत कम है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है" को स्वीकृत किया जाता है।

Ho5- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	95.67	26.20	0.83	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात असार्थक	**Ho5 अस्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	90	26.80				
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 95.67, 90 तथा मानक विचलन क्रमशः 26.20, 26.80 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 0.83 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत कम है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है" को स्वीकृत किया जाता है।

Ho6- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के राजनीतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	तालिका मान(58df)	सार्थकता	परिणाम
1	शासकीय शिक्षक	30	80.70	8.40	0.76	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात	**Ho6 स्वीकृत**

2	अशासकीय शिक्षक	30	82.50	9.80			असार्थक	
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के राजनीतिक मूल्य का मध्यमान 236.66, 2402.67 तथा मानक विचलन क्रमशः 53.40, 24.27 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 10.71 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत अधिक है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के राजनीतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है" को अस्वीकृत किया जाता है तथा संख्यिकीय परिकल्पना शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर होता है को स्वीकार किया जाता है।

Ho7- शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

क्र.सं.	**समूह**	**संख्या**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	**क्रांतिक अनुपात**	**तालिका मान(58df)**	**सार्थकता**	**परिणाम**
1	शासकीय शिक्षक	30	85.50	15.96	0.02	0.05=1.671 0.01=2.390	क्रांतिक अनुपात असार्थक	**Ho7 स्वीकृत**
2	अशासकीय शिक्षक	30	85.40	16				
कुल		60						

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं अशासकीय शिक्षकों के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 85.50, 85.40 तथा मानक विचलन क्रमशः 15.96, 16 है। गणना द्वारा क्रांतिक अनुपात का मान 0.02 प्राप्त हुआ। प्राप्त मान स्वतंत्रता कोटि (30+30-2) 58 पर आवश्यक तालिका मान 0.05=1.671 और 0.01=2.390 से बहुत कम है।

अतः शून्य परिकल्पना "शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है" को स्वीकृत किया जाता है।

9-निष्कर्ष एवं विवेचना

शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

- पूर्व माध्यमिक स्तर के शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों में शिक्षा की योग्यता बराबर है फिर भी उनके सोंच, विचार और व्यवहारों में अंतर देखने को मिला।

शासकीय एवं अशासकीय पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

- विभिन्न विश्लेषणों के उपरांत पूर्व माध्यमिक स्तर के शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्यों के विभिन्न स्तरों सैद्धांतिक, आर्थिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक मूल्यों में अंतर नहीं पाया गया।

10-सुझाव एवं शैक्षिक महत्व

- शिक्षकों को समान वेतन दिया जाय ताकि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो और वह शिक्षण के लिये मानसिक रुप से संतुलित हो।

- शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के शिक्षकीय अभिवृत्ति और शिक्षकीय मूल्यों को बढाने के लिये योजना तैयार किया जा सकता है।

11-भावी शोध हेतु सुझाव

- शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के व्यक्तित्व एवँ समायोजन का अध्यापन पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के शिक्षा के प्रति अभिरुचि का तुलनत्मक अध्ययन करना।
- शहरी एवं ग्रामीण शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

संदर्भ ग्रंथ

- अस्थाना, डॉ० विपिन, मनोविज्ञान एवं शिक्षण के मापन एवं मूल्यांकन, 389,408।
- कपिल डॉ० एच०के0 (1984) अनुसंधान की विधियाँ, हर प्रसाद भार्गव बुक हाउस आगरा, 422,424,212,293।
- गुप्ता, एस० पी० एवं अलका (2014) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद 634।
- पाठक पी० डी०, शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, 509,510,541।
- पाण्डेय, सर्वेश कुमार (2010-2011) "उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों में शिक्षा के प्रति अभिवृति एवं शैक्षिक समायोजन का अध्ययन", गुरू घासीदास विश्वविद्यालय।